Imports may drop: Bullion association

Gold imports by India, the world's biggest consumer, may plunge for a second month in March as price swings deter buyers, the Bombay Bullion Association said. Purchases this month may slump to 15 tonne to 20 tonne, from 45 tonne to 50 tonne a year ago, President Prithviraj Kothari said in a phone interview from Mumbai on Friday.
मण में खनिजों के नए भंडारों की तलाश

भोपाल (भूरे)। मध्यप्रदेश के गर्व में चुने बेलाकांडी खनिजों के और भंडारों का पता लगाने के लिए 67 खोजी परमिट जारी किए गए हैं। निजी कंपनियों
परमिट करने वाले अल्पकालिक खनन के लिए राज्य के 88 पदनाम
की लाटेक्स में खनन खोजने में सुझाव है।
कॉपर, अल्यूमीनियम में करें निवेश

सोने में पैसे लगाने पर भी मिल सकता है अच्छा मुनाफा, लेकिन चांदी में गिरावट के आसार

आरएस. रावा • दी हिली

अगर आप निवेश का जरीना तलाश रहे हैं, और सफलता आगे बढ़ाने का संघर्ष कर रहे हैं तो ऐसे समय में कॉपर, अल्यूमीनियम और चांदी आपको अधिक मिलने देते हैं। जयपुर में भारत के उत्तर पश्चिम भाग में अल्यूमीनियम के निर्माण से चांदी की मांग बढ़ने लगी है। उत्तर प्रदेश के जनता वित्तीय दक्षिणी क्षेत्र में चांदी में निवेश की प्रमुखता देखी जा रही है जिससे चांदी के निर्माण में वृद्धि की आसार है।

बायदा बाजार में चांदी का निर्माण 20% में 15% बढ़ा दिया जा रहा है। ऐसी शर्तें के बीत के दर्जनों वर्षों तक चांदी का निर्माण कर रही है। इसे अल्यूमीनियम का लाभ तकनीकी फाइनेंस और अवधारणा का उपयोग करके बना रहा है।

उन्होंने कहा कि चांदी और मराठा में ऊर्जा संकेत की गयी थी तथा ज्योति की बनावट नहीं। इसके साथ चांदी और अल्यूमीनियम के निर्माण को आगामी दिनों में बढ़ाने की हो सकती है।
कॉपर, अत्युद्धीनियम में कोई नियमें नहीं

अभी तक 117.10 रुपए प्रति फिली हो गया। हालांत, एक्सप्रेसन
Lokayukta can check Bellary files: Ramesh

Chetan Chauhan

NEW DELHI: Environment minister Jairam Ramesh wants Karnataka lokayukta to inspect files pertaining to mining in Bellary, Karnataka, as part of its probe, after the Karnataka government said a company was allowed mining despite the state government’s objections.

Following a report in HT on March 24, Ramesh wrote to Karnataka chief minister R S Yeddyurappa saying the file on Rumgarh Mines and Minerals Limited, which got the ministry’s approval in September 2010, was available for inspection by the lokayukta.

The ministry’s forest division had approved final diversion of forestland for the company even though the state claimed that it had failed to comply with the ministry’s in-principle approval.

“I wish to reiterate .... that no undue favour has been shown to the company,” Ramesh said in the letter and added conditions had been stipulated in the approval to allay apprehensions.
BHP’s $9.5-billion expansion plans

BHP Billiton has approved $9.5 billion of capital investment to expand its Australian iron ore and coal mining operations, showing that planned mining and carbon taxes were not impeding its growth plans. The world’s biggest miner has decided to expand its own operations and infrastructure rather than chase ambitious takeovers, after three failed takeover bids, as it scrambles to meet rising demand from Asia. Reuters
Silver slips from record high

New Delhi, March 25: Silver slipped from its record level on Friday by losing ₹200 to ₹56,200 per kg, owing to profit selling amid a weak global trend. Gold also fell by ₹70 to ₹21,170 per 10 grams due to sluggish demand at existing high levels.

Market analysts said sluggish demand from retailers due to the off-marriage season and a weakening trend in global markets led to fall in both the precious metal prices.

'Silver prices eased', a stockist said, after climbing to record levels in the previous session, they said.

In 'global' markets, gold fell by $7.80 to $1,430.80 an ounce and silver by 0.67 per cent to $37.17 an ounce.

On the domestic front, silver ready fell by ₹200 to ₹56,200 per kg. It had climbed to an all-time high of ₹56,400 per kg on Thursday. Silver weekly-based delivery also lost ₹300 to ₹55,800 per kg.

Silver coins tumbled by ₹400 to ₹59,200 for buy.

On the domestic front, 'silver ready' fell by ₹200 to ₹56,200 per kg. It had climbed to an all-time high of ₹56,400 per kg on Thursday.

Gold also fell by ₹70 to ₹21,170 per 10 grams due to sluggish demand at existing high levels.

In 'global' markets, gold fell by $7.80 to $1,430.80 an ounce and silver by 0.67 per cent to $37.17 an ounce.

Gold futures prices rose by ₹19 to ₹20,865 per 10 grams on Friday as speculators created fresh positions on a firming trend in domestic as well as Asian markets. At the Multi Commodity Exchange, gold for delivery in April, rose by ₹19 to ₹20,865. PPI
खदानों के खेल में चांदी काट रहे हैं बसपा नेता

अबिरत कुमार लखन, 25 मार्च। खेल और अधिकार
खाने के खेल में सतर्क दल के मंत्री, सांसद, विधायक और नेता जमकर माल
काट रहे हैं। स्वार्थ बात यह है कि इनमें कई
मंत्री हैं, जिनमें बेनामी खदानें चल रही हैं।

शुक्रवार को जन संघ ब्लॉकों में सीनेबोर्ड
जनमहोत में हो रही खेल खनन करने वालों को
सूची जारी की। बोलों के प्रमुख डिनकर
कुपर ने कहा कि राष्ट्रीय संघ भवन को इस लूट
में सतर्क दल के बढ़ते पदाधिकारी और नेता
विरोध शामिल है। उन्होंने स्वामित्व प्रदान
भी इन पर धारण करने से कहा है।

सुभाष अधिकर कानून के तहत जिले के
खाने अधिकारी से मिली खेल खनन कार्रवाई की
सूची के अनुसार जनमहोत में विकेट B कोड के
सिर्फ 155, सौंड रन के 107, लाल मॉर्स के
भार और बालू मॉर्स के 25 खानन काटों हैं धार
पट्टा पार कर रहे हैं। इन जिले में सतर्क दल के कई
नेताओं ने अपने या दूसरों के नाम के पट्टे हटा रहे हैं। 
जो लोग अब तक सतर्क दल के साथ थे, हां
वदनाते देख भागजोड़ी पारी की तरफ छुड़ार
कर रहे हैं। इसके कई उदाहरण आये हैं।

खरी शक्ति के नाम से राजनीतिक संगठन
की बजाय खानन कार्रवाई चालाने वाले
जातीय संघ ग्रामीण कार्यकर्ता के कूट,
उपाध्यक्ष सिंह अब नाम रॉण में सतर्क दल
खानन कार्रवाई की सूची से ठीक जोड़ रहे हैं।

इनकी
कंपनी में कई मज़हबों के साथ अपराधी भी
हिस्सेदार हैं। हालांकि समाजवादी कार्यकर्ता
के प्रवक्ता राधेश चौरं ने साफ किया कि अब
माफिक या दूसरे लोगों की, समाजवादी पारी
की सरकार में कई पूर्व नहीं होने चाली।

कपुर ने गाजीपुर में दिलिया नाम के
बासा विधायक पर आरोप लगाया जिसे
उन्होंने कहा कि इस तरह कई नेता और
मंत्री अपने या दूसरों के नाम से खनन कर रहे
है। समीकृत गुणा का सलाह ग्रांथ में
प्रभावित चल रहा। खपूर सेवकीय परियोजना में
मुख्यालय में प्रसाद का खानन कार्रवाई हो रहा
है। इन दोनों ही कारों की उन्होंने अनुमान
नहीं मिली है। पर्यावरण विधायक ने इन्हें क्राइम
करने हैं जिसे अनुमान नहीं है। खानन विधायक ने इनमें
पट्टा भी नहीं दिया। इसके बावजूद यह
गैर-लुत्फी कार्य खुले में चल रहा है। इनको
कहा कि यह स्थल हूँड़ी चालती में कनार
नदी पर पिच स्कोर व ही बालू खनन के लिए
लौह मिट्टी हुई है जिसे जाने वाले और पिटने
सही टमारों के सुनाई गई। बालू का खनन करता
जाता है।

कपुर ने कहा कि जन संघ गोरखा ने
राष्ट्रीय संघ भवन को इस लूट पर रोक के संबंध
में कई बार उत्तर प्रदेश शाशन या विधान
परिषद की प्रतिक्रिया दी और दो महीने से गिराना
मुमकिन नहीं है। फिर भी प्रशासन
ने कोई कार्यान्वयन नहीं किया। अन्यतम ने कहा अनुमान
के लिए ही कार्य नहीं दिया। उन्होंने कहा कि विधायक
से हस्तलक्ष पूछताछ देकर साफ हो
जाता है कि इस लूट की मालिक
खानन में सभी
शामिल रहे है। चाहे वह चतुर्वेदी
विधायक हो या सभी के विधायक लाभ खानन का
बात करने वाले प्रमुख लोकसभा के
नेता।

हेक्स ने कहा कि बहुत संघात
पारी के स्वरूप में संघात संदर्भ में
जैन ने अपनी पत्नी अली देशी के
नाम वाद ग्रांथ में 2013 में दस लाख की
पूर्तिकर्ता की प्रति खनन की लौह राहत है।
बालू के
गिनित महासभा के शिकारी को दो खनन
लौह है और कुंज्किदूर्जी के लिए
बालू खनन करता है।
खदानों के खेल में चांदी काट रहे हैं बसपा नेता

पेंट 1 का बाकी क्षेत्र से जिला पंचायत का सुनावल बड़ों चुके मनोज पांडे, सहकर निर्माण क्षेत्र में पूरे जनरल में एकाधिकार बना रहे उमाचंकर सिंह की सो लीज है। लखनऊ के गोमती नगर की आईवीआरसीएल इंडस्ट्रीज एंड प्रोजेक्ट निर्माण कंपनी का बालू खनन के सात पट्टे हासिल किए हैं। इस पट्टे के बारे में लोगों का कहना है कि वह सीधे बसपा नेताओं के जरिए संचालित किया जा रहा है। इस खेल में बसपा के साथ-साथ उसकी विपक्ष बनने का दर्शन करने वाली संस्था के नेता भी सहेजे रहे हैं।

मलामप सरकार के दीर्घ इसी निजसति सपा के नेता धर्मीर सिंह यादव ने राजदूतार्गत के द्वितीय मार्कड़ी में जनरल, 2007 में दस साल के लिए पत्थर खनन के लिए हासिल कर ली। सपा के जिला महासभा राजस्व वैश्विक की तीन लीज हैं, तो बसपा छोड़ कर सपा में सहमिल हुए रमेश दुबे भी बालू खनन पट्टे के मालिक हैं। कपूर ने कहा कि बसपा राजस्थान में नेताओं को राजनीति के तोड़फोड़ के रूप में इस क्षेत्र के कानूनी व गैर कानूनी बनोगी तथापि से चौराहा लुटेरे की अनुभूति सहित हुई है। यहां की लोग नहीं को बेड़े बना लिया गया है। रुपवान कार्य के आदेशों के बाद भी नहीं की गई किंग क काश बालू का खनन किया जा रहा है। संस्थार्थी एफआईआर और वाहुल्ल जेनरल में यहां ताली दंगने भी मना है, वहां भारिटार्ग को जा रही है।

उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ जन संघर्ष अभी 20 जनवरी से जिला मुख्यालय पर पहुँचा रहा है पर भाजप ने यहां की जनता के जीवन से उड़ी इस महत्वपूर्ण वातावरण को हल नहीं किया।

प्रसादन की लोकतंत्रिक आदेशों को श्रद्धांजलि का यह रूप यहां बड़े आकोश का जम दे रहा है। दिनदहरा कपूर ने यहां कहा कि जीवन में फरस्ता ने फंसाया है कि यदि प्रशासन रात्रित संभाल की इस लुट का नहीं रोकता, तो इसके रूप के लिए गृहमंत्र खुद मार्च करेंगे और अदालत खनन बंद करेंगे।
Copper fluctuates in LME trade

Bloomberg
March 25

Copper fluctuated in New York as concern about Europe's sovereign-debt crisis capped gains and shrinking Chinese stockpiles of metal limited declines.

Copper for May delivery rose 0.05 cent to $4.425 a pound at 8:47 a.m. on the COMEX in New York after both climbing and dropping as much as 0.5 per cent. Prices are up 2 per cent this week, headed for a second weekly gain. Copper for three-month delivery advanced $1 to $9.716 a tonne on the London Metal Exchange.

Zinc for three-month delivery on the LME dropped 1.5 per cent to $2,383 a tonne.

Nickel and lead declined in London, while tin and aluminium rose.
Centre consulting States on mining royalty

New Delhi, March 25

The Centre is in discussion with Chief Ministers of mineral producing states on their demand for increasing royalty on mining, and issue will be addressed by a proposed law, Finance Minister, Mr Pranab Mukherjee, said on Friday. “I had discussions with Chief Ministers,” he said in the Rajya Sabha during his reply on the Finance Bill. He said suggestions have been received from Chief Ministers of Odissa and Chhattisgarh, while Jharkhand is also an interested State. Mr Mukherjee said, their demand would be reflected in the new legislation and issue will be addressed. — PTI
Gold edges higher on Libya, Europe debt concern

Bloomberg
March 25

Gold fluctuated near a record in New York as fighting in Libya, debt concerns in Europe and a nuclear crisis in Japan spurred demand for an alternative investment.

Silver was near a 31-year high.

There is just too much uncertainty at the moment and gold should hold near recent highs, Mr Andrey Kryuchenkov, an analyst at VTB Capital in London, said in a report. Geopolitical concerns in addition to growing uncertainty over Portugal's debt crisis supported bullion.

Gold futures for April delivery rose $1.30, or 0.1 percent, to $1,436.20 an ounce at 7:57 a.m. on the COMEX in New York.

Prices gained as much as 0.2 per cent and fell as much as 0.3 per cent and are up 1.4 per cent this week.

The metal for immediate delivery in London was up 0.4 per cent at $1,436.19.

Bullion fell to $1,434 an ounce in the morning fixing in London.

Silver for May delivery in New York rose 0.6 per cent to $37.618 an ounce. Palladium for June delivery was little changed at $752.55 an ounce. Platinum for July delivery declined 0.5 per cent to $1,756.20 an ounce.

Bullion rates

Mumbai: Silver spot (.999 fineness): Rs 56,585; standard gold (99.5 Purity): Rs 20,870; Pure gold (99.9 purity): Rs 20,970.

Chennai: Bar silver: Rs 56,000; retail silver: Rs 59.90; standard gold: Rs 20,945; retail ornament gold (22 carat a gm): Rs 1,948.

Kolkata: Silver ready: Rs 55,750; gold ready: Rs 21,190.
Designed for gold

At current value, Emerald Jewel's annual production is worth around Rs 2,400 crore. This is expected to touch nearly Rs 5,000 crore when production is doubled within a year.

though he did not know when that would occur. There was a gap in the sale of gold, which was being filled up by mutual funds. But everybody wants to exit and when that happens, panic selling would set in, impacting the price. To sustain the current price levels, around 800 billion would be required to be pumped into the industry every year, which was not possible.

His company was also into the production of diamond jewellry and current volume stood at 1,000 carats of diamond jewellery a month valued at about Rs 3.5 crore. Soon, he expected volumes to go up to 2,000 carats/month. He said the taste of the younger generation of buyers was different from their parents. Ornament producers would have to adjust their preference for light weight, international-style jewellry.

LIGHT WEIGHT, HANDMADE PIECES

Explaining how Coinbature has become a major hub for the manufacture of gold ornaments, he said the city has been known for light weight, handmade jewellry. The new generation of jewellers had gone in for mechanisation and the city had about 50 gold ornament manufacturing units, each specialising in certain types of jewellry. Mumbai, Kolkata, Bajore, Amritsar, Delhi, Nellore and Belgium were also coming to the manufacture of gold ornaments, and mechanisation was gaining ground in each of them.

Mr. Srinivasan said that the city had become popular for the manufacture of rings, pendant and ear studs, bangles and necklaces were also made in small quantities.

He said earlier proposals for forming jewellery clusters in Coinbature did not take off due to opposition from some quarters. However, he did not think there was a case for forming a Special Economic Zone (SEZ) in Coinbature for jewellry manufacturers since they did not have the required export volumes.

Second, if the pieces being made currently would not have much demand in the international markets since they were targeted at the Indian diaspora living overseas. If it was aimed at catering to international tastes, it would become viable. But for the export market to be flourished from Coinbature, line balancing would be difficult and the time for an exclusive jewellery SEZ at Coinbature was yet to come.

Asked about his plans for an IPO, Mr. Srinivasan said ‘definitely we will go for an IPO, (but) not now’ and it would take a ‘minimum of two years’ as he wanted to strengthen the administration of the business.

Mr. Srinivasan has won several awards, including the ‘Best Jewellery Manufacturer Award’ in 2011 – a special award for outstanding contribution to the Gem and Jewellery Industry by the All India Gems & Jewellery Trade Federation (GJF) during the JIBS Signature Show.

Mr. K. Srinivasan

R. Vegna Marganan

Mr. K. Srinivasan, Managing Director, Emerald Jewel Industry India Ltd, Coinbature, sensed a huge opportunity in the then unorganised jewellry trade. Taking up a job in a jewellery showroom here, he learnt the trade over a 10-month period and then plunged into the production of hand-crafted jewellery, mainly junknukisi, press casting and hand-finishing.

What worked to his advantage was his ability to spot the shortcomings of the industry at that point – he says there were no measures to ensure that the finish was poor. Having addressed these issues in his business, he took orders from dealers of gold ornaments in North India and got goldsmiths in the city to produce them. There has been no looking back since ever.

MECHANISATION, NO BAR

He took the mechanisation route to increase productivity and ensure consistency in quality – today, 2,500 people are directly employed by the company in four units and around 500 goldsmiths work on contract basis.

Since fashion is fickle, Mr. Srinivasan says Emerald has been churning out designs, and has so far created more than 10 lakh designs. In fact, 10-15 new designs are made every day.

Currently, the company produces 12 tonnes of gold ornaments annually, which would soon be doubled to 24 tonnes. At current value, its annual production is worth around Rs 2,400 crore. This is expected to touch nearly Rs 5,000 crore when production is doubled within a year. He hopes to meet this target by enhancing capacity in the existing locations and by starting new production facilities.

Mr. Srinivasan says it has been his policy to have all the manufacturing done in Coinbature. He expects to employ around 1,000 people when the enhanced manufacturing capacity goes on stream. Emerald now has 30-40 dealers across the country. It also has a subsidiary in Dubai and clients across the world. He plans to start subsidiaries in London, Singapore and New York to sell his products.

Exports account for around 10 percent of the total sales of Emerald. Once the planned overseas subsidiaries are commissioned, exports would go up to 20 percent. He is targeting people of Indian origin for his overseas forays.

A BRAND ON THE ANVIL

While he currently sells gold ornaments to retailers, he is planning to sell them under the brand ‘Jewel One’ through a chain of stores, comprising both owned and franchised stores. A beginning would be made during the 2011-12 FY with the opening of 10 stores in Tamil Nadu on ownership basis, as boutiques of 800-1,000 sq. ft. If the initiative proves successful, it would be extended across the country on franchise basis.

Mr. Srinivasan says at present, Emerald produces plain gold ornaments and gold ornaments studded with synthetic stones and diamond jewellery too. The value of the pieces range from Rs 2,500 to a maximum value of Rs 2.5 lakh-Rs 3 lakh each.

On the gold of gold ornaments, he said the market was changing and ‘things are not like before’. Purchase of hallmark jewellery would ensure quality and sellers would not tend to lose any value. Hallmarking was gaining acceptance and he felt the Government was also considering making hallmarking mandatory, which he welcomed as a ‘quality conscious person’.

Referring to the mood among buyers given the spiralling price of the yellow metal, particularly in the past two or three years, the Emerald MD says people have gained confidence that investments in gold offer better return than any comparable investment option. Because of the price increase, the sale of gold ornaments had come down slightly in terms of quantity.

Mr. Srinivasan, however, felt a correction in prices was ‘overdue’.
NLC plans e-contract facility for new projects

Press Trust of India
Chennai, March 25

Neyveli Lignite Corporation (NLC) will provide e-contract facility for securing new projects by the end of the year, the company said today.

The Mini Ratna company has already entered into e-service (or electronic service) for offering various services and procuring new tenders through online, an NLC spokesperson said.

"For providing this e-contract facility, we are in talks with Indian Institute of Technology, Kharagpur. They are providing the software and we hope it will be introduced later this year," he said.

The objective of the move was to improve efficiency and bring in more transparency in NLC’s day-to-day operations.
Nalco eyes mining partnership with Hindustan Copper

Jayanta Mallick
Kolkata, March 25

National Aluminium Co Ltd (Nalco) is exploring the possibility of a strategic, but minority partnership in underground copper mining with Hindustan Copper (HCL).

Nalco has appointed ICRA Management Consultancy Services (IMaCS) for due diligence and a valuation report on the HCL's Malanjkhand assets, considered to be the single largest, having nearly 70 per cent of the country's reserves.

Mr B. L. Bagha, CMD of Nalco, told Business Line that IMaCS would submit its report by March-end. He said discussion for a formal agreement for a joint venture could begin in April, once the valuation report was found favourable.

Nalco has appointed IMaCS for due diligence and a valuation report on HCL's Malanjkhand assets

The broad understanding between the two listed public sector miners is that a mutually agreed valuation of Malanjkhand assets would form the base of any joint venture proposal. It is also understood that HCL would have the majority stake in the JV.

The CMD of HCL, Mr Shakeel Ahmed, also confirmed that such a proposal was being actively considered.

An expansion project at Malanjkhand — from the present 2 million tonnes per annum to 5 million tonnes per annum — is the key to the HCL's ore production increase strategy, to be complete by the end of fiscal 2017.

DETAILED PROJECT REPORT
According to the plans, ore extraction will go underground instead of current open cast operation. In 2010, a detailed project report for the Rs 2500-crore Malanjkhand underground mine construction project was prepared in-house by HCL with certain broad technical references to a report prepared by BC Metal of Japan in 1991-92.

The current production of MIC at Madhya Pradesh ranges between 17,000 and 19,000 tonne a month. The proposed phase I Malanjkhand expansion project, incidentally, was appraised by IMaCS.

Malanjkhand project, located in Balaghat district of Madhya Pradesh, is estimated to command ore reserves, including resources, of 221.00 million tonnes (containing 1.31 per cent copper). HCL expects that its reserves at Malanjkhand to last for 30 years.

IMC COPPER RESOURCES
IMC, an internationally accredited valuer, certified that HCL's total copper resources in JORC standard as on April 1, 2010, stood at 618.01 million tonnes of an average 1.05 per cent grade.

HCL currently holds all the operating copper mining leases in the country.
Profit sharing may vary with mineral

**MINE WEALTH**
- Currently, a flat rate as a fraction of profits is 26% for all minerals
- Plan panel says it amounts to a very high royalty burden for cos
- Govt proposes cut in profit-sharing ratio for rare metals like gold

**New Delhi, Mar 25:** Faced with strident opposition from the Planning Commission and mining giants, a group of ministers (GoM) headed by finance minister Pranab Mukherjee is nulling a significant dilution of the contentious proposal for mandatory sharing of mining profits with the local people. Instead of imposing a flat rate as a fraction of the profits to be shared for all minerals, the relevant law would allow flexibilities in keeping with the economics of each mineral.

The Mines and Minerals (Development & Regulation) Bill that is being discussed by the GoM stipulates that mining companies will have to share 26% of their net profit or an amount equivalent to the royalty paid by them to the respective states, whichever is higher, with the local people displaced or affected by the mining activity. Planning Commission deputy chairman Montek Singh Ahluwalia had said this proposal would amount to a very high cumulative royalty burden on the companies and would discourage investments.

A senior government official told *FE*: "It has been discussed (by the GoM) that the 26% profit-sharing norm will be looked at from the viewpoint of the economics of each mineral. If for some mineral 26% is too high, then (the proposed law) will enable it to be changed and bring it within reasonable limits." He added that for minerals like iron ore, where the profit levels are high and risk capital is low, the figure of 26% might be appropriate but in regard to certain other minerals like copper, a more lenient view may have to be taken.

In a recent letter to Mukherjee, Ahluwalia said, "If we end up with too high a cumulative royalty burden compared with international standards, this will only discourage future investments in the mining sector. We cannot assume that the additional burden can simply be passed on to the consumer, since these minerals are freely importable and users will switch to imports."

*Continued on Page 2*
In fact, the Plan panel is of the view that companies should only share 26% of the royalty with local people, instead of the same fraction of net profits.

In broader terms, government can reduce the profit-sharing ratio for rare metals like gold, while keeping it at 26% for widely-used minerals like iron ore and bauxite. The proposed legislation is aimed at bringing more investment from private players into the mining sector.

It is awaiting the vetting by the 10-member GoM before it can be tabled in Parliament. The Bill was earlier supposed to be introduced in the budget session that ended on Friday. Now, it is expected to be tabled in the upcoming monsoon session.
म.प. में हीरा प्राप्ति के नए क्षेत्र मिले 2017
भोपाल। मध्य प्रदेश में आलूयानिक तकनीकों से खिड़कियों की खोज के लिए निजी कंपनियों को एलबीएनएस परियोजना स्वाक्षरित किए जा रहे हैं। अब तक खानिज विभाग द्वारा रजिस्टर के तहत 85 इलाक़े ने निजी म.प. भाग पर कुल 87 एलबीएनएस परियोजना मंजूर किए गए हैं। अभी से दो जिलों में हीरा प्राप्ति के लिए ऐसे कंपनियों को संरक्षित किया गया है। 13.200 की हुई खानिज की कीमत की कई घटक है जिनें होटलों के उपलब्धता के लिए मिलेंगे हमेशा।